

SRT+NEW. L.

SRINIVASA BHARAVI AVEŚA KAMPANA VIDHI

NEPAL GERMAN MANUSCRIPT PRESERVATION PROJECT

Author: P. P. KAMSAR

MS No.

Shrine No.

E. 22807

ĀṬHA KHĀTAKEYA VIDHI.

AUTHOR:

No. of leaves: 30

Compl. Size in cm 14.2 x 6

Reel No.

E. 1138

Date of filming: 31-12-80

Remarks: Paper ~~ancient~~, damaged by worms, rats, breaking, others.

Paper: Nepal ~~Indian~~ ~~anti-made~~, loose, Thānapu ~~bound~~

Date NS.

VS

Shaka

LS

Colour yellow

Colour Slide No.

Both sides of the MS have been smeared with Harulala.

ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 एतन्मया साक्षात्कृतं भूमीपुत्रस्यैव  
 कृपाद्वत्तत्त्वम् । नृत्वंनाम । तत्त्वमुच्यते  
 ज्ञेयम् । काटिलीयम् । मत्तम् । सार्वभौमिकम् ।  
 धनवन्मया विजयीकृतं तत्त्वम् ॥ १० ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विसर्गः ॥ सनतया तस्य सतः सतः  
गच्छेत्तदस्य नाना ॥ सतः सतः सतः सतः  
सतः सतः सतः सतः ॥ सतः सतः सतः सतः  
सतः सतः सतः सतः ॥ सतः सतः सतः सतः

सतः सतः सतः सतः ॥ सतः सतः सतः सतः  
सतः सतः सतः सतः ॥ सतः सतः सतः सतः  
सतः सतः सतः सतः ॥ सतः सतः सतः सतः  
सतः सतः सतः सतः ॥ सतः सतः सतः सतः

उक्तं यक्षगनमस्तु नारायणकृपया वसिष्ठ  
नारायणस्य गच्छेत्तु यत्तु नारायणस्य  
मवात्तु यत्तु नारायणस्य गच्छेत्तु यत्तु  
यत्तु नारायणस्य गच्छेत्तु यत्तु नारायणस्य

यक्षगनस्य गच्छेत्तु यत्तु नारायणस्य  
गच्छेत्तु यत्तु नारायणस्य गच्छेत्तु यत्तु  
नारायणस्य गच्छेत्तु यत्तु नारायणस्य  
गच्छेत्तु यत्तु नारायणस्य गच्छेत्तु यत्तु

नमः कुरु कुरु नमः ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं  
॥ नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो  
दलदा याज कि यन नमः ॥ ॐ नमो नमो  
नमो नमो नमः कुरु नमो नमो नमो नमो ॥ ॥ कुरु नमः ॥

दविष्वायक मनु ॥ ॐ नमः नमो नमो नमो नमो  
मनु ॥ ॐ नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो  
नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो ॥ नमो नमो नमो ॥



(न) व. सातके  
! क्म न रा र  
(अ) न ना न  
अ य ग य  
! ध र  
! कूज ! व धि धू न क उ य गु न र्य ल

(ग) ल जू द न घा ख  
न दू र क  
(क) नू ल दू य  
! न क ग ख उ न म न  
वू न क नू ल नि धि धा

ॐ न मा नू न न ! न र्ण द द मि ॐ ॥ गु गु रि हा  
धे य ना य व न क न व र्ण य क न क जू द  
व न धू न उ उ म धा ज धू नि ॥

उ न ॥ ॐ य गु पा मा य धि द न द वि न क म य ध  
म द न न ज व पु वा द या नू ॥

अथ वन ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥  
 वन्य विषय ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥  
 पूर्व १००० ॥ ॥ अंजं सं ॥ ॥ अंजं सं ॥  
 वि ॥

एतान्कानु ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥

अम ॥ १००० ॥ अम ॥ १००० ॥ अम ॥ १००० ॥  
 सधूय ॥ ॥ अम ॥ १००० ॥ अम ॥ १००० ॥  
 सिद्ध ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥  
 नाथ ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥  
 एतान्कानु ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥ अंजं सं ॥  
 अंजं सं ॥



नय दान न कीजु निम न  
(स्वातक धूप ॥ मदा मासि काल कान या न गान ता य नि द  
ति इय या न रत्न सिद्धास यु र्मुत स्व त सम राग अग्नि  
॥ सु द न वि य ता न न स्व षि उ ॥ क य या म न न ज य मा न  
॥ ॥

(प्री ३ न ए ना थ य न न ॥ क र म ता वा या र क ज ग्य ना  
उ न्न या क द्या य क नू ल मा न इ ना ॥ द ज या क रूः  
न नि क्त स र्ग ॥ आ र व न दा रू हा ना य धा त्र वि  
का ज सा द ज न य म न वि य क नि मि का य माः

ल॥ मास दिन व स ग्रे न उ त य, सूवान, सि वि,  
नूम द उ ख उ ध क र न क ॥ धूप क र्पू र सि  
लास, धूप, सा न उ ति न द उ, पा न वि द उ सा  
ठा उ न य, सूवान ल उ ला य ॥ धूप क र न क ॥ स न

सा न यान वि श्रा य न, दारु ल सा न ना य पा न वि द  
उ, ना ट व न या क मा ट उ न य, पूजा उ प या य क  
बू ल या म कु ल पा द वि या उ, क रू पा न कू न क  
रु जा ला द उ कू न क ॥ वि दः वि उ श्रु व श्र ॥ ॥

आदित्यवानरूद्र अलग्नसिमास पंचामृतस  
 दिनन धूप दीप नेवद्य पंचायवानलभूजा  
 यादताथ गुग्गुनि इथ कजाताथ पंकूरूद्र  
 इथ कजाताथ गुग्गुनि गुग्गुनि कायाताथ गुग्गुने

यस्तथवावान २

वद्य स्नान अग्निसि सिक्ता सनाय क्का कजायी  
 ० गलस स्नान कउः कजायाय अग्नयव ताः  
 शामर्तु पूजा मणि पागन काल जावाल जा क  
 सवाया गुग्गुनि क्री १ माल सा नि या ह न य थ गु  
 वाहन १

विधूयतात कवचतथ न मनुद्ययः विजना  
 यच्छादातावाला उं कापं मानववतनय  
 माल हिमयना थउ अनातिक यं गुलि  
 विक यजान यं दु ॥ मनुथ ॥ कथा २ काववा

सावाकाव विजनायुनीगना दूं रूट् खाहा ॥  
 धन १०८ अ कर्तकृचन धूपविय ॥ कायति  
 यकू खालंययक थकां नय दवदवथ  
 यं अ कर्तकृन कधूपविय मनुयज पाजा ॥



ॐ हं हं हं वीनचला हं हं हं हं ॥ इत्युत्तराय  
क्रमम् ॥

ॐ हं हं हं वीनचला हं हं हं हं ॥ इत्युत्तराय  
क्रमम् ॥

स्यैकं यद् यिज स्वात्मक ॥ नवमां सुधाय ॥ ॥  
ॐ हं हं हं वीनचला हं हं हं हं ॥ इत्युत्तराय  
क्रमम् ॥

यागद्वयं सर्वसमं तं शिष्टवस्तु क ॥ १ ॥  
 (शुभं स्नानं ॥ दाहान् स्नानं ॥ २ ॥ मृतं तज्ज  
 नययवस्तु ॥ ३ ॥ स्नानं न कर्तुं कर्तुं क ॥ ४ ॥  
 कर्तुं न कर्तुं न कर्तुं न कर्तुं न कर्तुं न कर्तुं

सहिताय अथ तत्र २ अंगक २ स्वाहा ॥ माय  
स. नाटिकास. दययस. भवन १०८ ॥ ॐ हूं हूं  
संलग्नकनृपाय स्वाहा ॥ जयन पागली खतान  
क ॥ गमकशय्य ॥ ॥ विजय ॥ ॐ हूं हूं ॥

कं कं कं कं नृप मन्त्र ज्ञानाय सुर्वेन्द्र  
नृपि किमुहिनाज कं कं नृप अथ वननरु  
दायः कुरु कुरु कुरु नृप राजा कुरु  
धनः ॥ १ ॥ गंधारत आनन्दमकुनजयः

२५० कन १ दाखल २१  
यावदवयाने ४१०८ ॥ थदा रुत अकान न  
कनल सूचक ॥ संकीपनम ॥ ७ ज्ञां जां  
मु ३ रू ३ ददि २ ग्या ॥ अन २१ ॥ ५  
३ दिनक मनु ३ उंदर २ ला वावा दिनि मोरु





श्रुतगचारुत २१ अ२

रुद्ररुद्ररुद्ररुद्ररुद्र ॥ अ२ १० ॥ लक्ष्मणप्रयत्नक  
॥ अ२ १० ॥ विजयमकुल ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥  
॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥  
॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥

श्रुतगचारुत

लक्ष्मणप्रयत्नक १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥  
॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥  
॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥  
॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥ अ२ १० ॥

मयुक्तान्, लाल्, उयुत्, कान्, पुनू, कर्षुन  
 लान्, महिममं, थूयान्, गन्, क्कूटयान्  
 गन्, ॥ धनं मम, गन्, दयका, ॥ धनं मम  
 पुनू, धनं ॥ ८ ॥ ॥ पुनू, नान्, ॥ धनं क

कथयामास

धान ॥ पुनू, लाल्, क्कूटयान्, ॥ पुनू, लाल्,  
 क्कूटयान्, लाल्, ॥ धनं मम, ॥ धनं मम  
 ८८ ॥ ॥ धान्, पुनू, क्कूटयान्, ॥ धान्  
 पुनू, मम, ॥ धनं मम



वीनयामनु॥ वैजात्रि कुं कुं हनरुमल  
 रेववायसदातिवायन म॥ कुं स्वाः  
 हागुयुनजयनपवीनयामनुनध ॥ १०८  
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

लक्ष्मणय २ कुं ४ रुट्ट रुट्ट २ आम् ४ हववा  
 नजय १ ॥ लक्ष्मणय ४ कनू लक्ष्मण ॥ ॥

(कुं १ कुं २ नम ३ स्वाहा ४ दीपनमनु ॥ ॥



(६४) स्व. द. धूप गुरु गुरु  
गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु ॥  
गुरु गुरु ॥ गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु ॥  
गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु

गुरु गुरु ॥ गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु ॥  
गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु ॥  
गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु ॥  
गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु ॥

जं. ग. जिताये नमः ॥ १ ॥

जयाये नमः ॥ जं. विजयाये नमः ॥ जं. अयवा जिता  
ये २ ॥ जं. नन्दाये २ ॥ जं. शूद्राये २ ॥ जं. जयाये २ ॥ जं.  
हीमाये २ ॥ जं. दिव्यागिनीये २ ॥ जं. महायागिनीये २ ॥ जं.  
सिद्धियागिनीये २ ॥ जं. ग. ल. ग. यो २ ॥ जं. ल. किनीये २ ॥

जं. कालवाये २ ॥ जं. उर्द्धक. ल. ये नमः ॥ जं. नि. ल. वः  
यो २ ॥ जं. ग. गीवाये नमः ॥ जं. घावाये २ ॥ जं. मूला  
ये २ ॥ जं. यवनाये २ ॥ जं. शीव. ल. ये २ ॥ जं. महानः  
नाये २ ॥ जं. काला मूखे २ ॥ जं. पि. ल. विनीये २ ॥ जं.





२॥ ज्ञांवीनरुडये २॥ ज्ञांमहाकाले २॥ ज्ञां क का  
ले २॥ ज्ञांविद्वाननये २॥ ज्ञांकाधवाये २॥ ज्ञां  
हीमरुडये २॥ ज्ञांवायवगये २॥ ज्ञांरुडानये  
२॥ ज्ञांवाकले २॥ ज्ञांवेकये २॥ ज्ञांवावेकाये

२॥ ज्ञांलीखये २॥ ज्ञांवावाके २॥ ज्ञांनावसिके २॥  
ज्ञांनिवाहलेनम ॥ ५४ ॥ मूल ॥ ज्ञांजं ज्ञांनम ३  
खाहा ॥ ५५ ॥ वलिविय ॥ ज्ञांवाके ॥ मूला ॥ धनमू  
कतदाहालधूपनयं विस्मयययं ॥ १०८ ॥ ज्ञां

वद्वधियर्कत ॥ धूय. दा. व. ने वश. जय ॥ नदिम  
हाकाल ॥ मृत ॥ कथ मूलका ॥ ०८ ॥ साण ॥ ख. पूजा  
हं रत्न ॥ वासाक ॥ गुन कथया जय वजापयक ॥  
वृकनकाय ॥ वनि. धय ॥ मूकन दा. हा. जयानया

गु. दत्तस्त्वविदिवमजानककाय ॥ वसुतयमाव  
॥ साक्षिधाय ॥ आचार्याददवस्त्वसिन्धुस्वानक्षया  
वकाय ॥ अस्वातजान ॥ दवस्त्वनियामलियाय ॥  
मनीविय ॥ स्त्वपरातियाय ॥ ॥ स्वातकनल

दावर्मचसुरुकयतर्कगनययभावायत् स्वप्नः  
मनुआदिनधूयय ॥ द्याघलनं द्यावकी ॥ नमुजी  
नकेना नासिचक धर्मनासिय भाव्यासयाचक भा  
कययय भाउं ऊं ॥ अस्वाय रुद्रादिभावदुर्मस्वान

धूपधन ॥ ताउर्न भाविनस ॥ २१ ताटकास ॥ २१ दद  
यस ॥ २१ भावातर्कगनदावतिकाय मनु ॥ ११ आगद  
नु ॥ २१ भावा ॥ ११ लंखजयनयं भावक भावय  
नयाधूय ॥ ११ १ स्वनाभाता १ उगुलि ॥ ११ १ तिस्तास

मा० कर्पूर ॥ मा० मातृस्नान ॥ महाभक्ति ॥ श्वेत  
 मन्त्र ॥ श्वेतस्नानकविधि ॥ ॥ मन्त्रान्वय ॥ म  
 १ कर्पूर ॥ म० कर्पूर ॥ म० कं. म ॥ म० गीत ॥ म० गी  
 ख ॥ म० गीत ॥ म० गीत ॥ म० गीत ॥ म० गीत ॥ म० गीत

ता१ म० साखल ॥ सोरह्यध्वनीया, विद्यामानस्वा  
 दधूय, सिद्धिमदनसासिद्धिदय, मोहाल्यध्वनीयाम  
 नु० जयलथ ५१०८ ॥ ॥ नैऋती ३ साह ॥ नाक  
 भादनीमनु॥ ॥ नैऋती ३ ॥ नैऋती ३ ॥ यजमान

स्यमूकनामनाटकस्य सिद्धिदायक २ दर्शनम  
 ततः कर्मफलं कुरु २ जे श्रीमों ४ कुं कुं कुं सा  
 हाना २ १५ कृत ११ नयका ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥  
 यलं कानं ताकमारुनीमकुषा ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥

कुं कुं सायक २ साह ११ मकसुनाजनमकुषा  
 कुं कुं २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥  
 एकट १ यूनन विपून कृतधूया २ सर्व १ कृत विवज  
 हा २ ॥ कुरु १ विवाक यात धूपध ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥

पुजहं सं २ कुं कुडिकजी २ आग. कु २ आ. व  
 २ व. व. २ जी २ कुं सं २ हं न. म. व. न. २ आ. व  
 २ व. २ ॥ २ व. २ कुं २ हं न. म. व. न. २ आ. व  
 २ व. २ ॥ २ व. २ कुं २ हं न. म. व. न. २ आ. व

१॥ म. म. न. ह. म. ॥ अ. क. त. दा. ह. म. न. ना. य. न. म. व. न. व. ॥  
 य. व. क. त. य. वि. धि. ॥ म. ॥ पू. जा. या. य. ॥ धू. य. दी. य. ने. य. द.  
 ज. य. म. ॥ ॥ ह. म. ॥ अ. क. त. दा. ह. म. क. न. ह. म. ल. न.  
 ज. य. ॥ १०८ ॥ क. न. ह. या. ल. क. व. क. क. न. ह. इ. य. अ. व. म. ॥ ॥  
 क. नि. मा. ख. या. ख. म. ॥ ना. ट. ॥ ७४ ॥ आ. य. २ व. ॥ १०८ ॥ ॥